

Written by कुमार सौवीर  
Thursday, 14 June 2018 16:19

: "00000 00000000 00000 00 00000000 00 0000 00000 0000 00000000 0000 0000000000 00  
00000000 0000" : 00000 00 00000000 00000000 00 0000000000 00000000 00 : 00 000000000000  
00000, 000000 00000 0000000000 00000 0000 0000 00 00000 00000000 00 0000 00000000 0000 :

00000 00000000 000000000000

00000 : युवाओं के भवषि य के बलिकुल मजाक बनाने पर आमदा है यूपी लोकसेवा आयोग क प्रशासन य पहली बार हुआ है जब आयोग की इस तरह की बेहूदगियों पर यूपी सरकार भी खामोशी अख तयार किये बैठी हो खसतौर पर जब यह स पष् ट है क आयोग के अधू यक्स जसि अखलिेश यादव सरकार द्वारा नयिक् त किये है, जसि पर भ्रष् टाचार, जातवाद और अनैतकिता क आरोप योगी सरकार लगातार लगाती ही जा रही है बहरहाल, ताजा खबर यह है क आयोग से प्रताड़ति अ भू यर्थियों की क याचकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्वार को सुनी जा गी पता चला है क इस बारे में याचकि दायर की जा चुकी है

आयोग के ऐसी करतूतों से प्रतभागियों में गुस्सा तो है ही, साथ ही साथ उनमें वभिन्नि न गुट भी उत् पन् न होते जा रहे हैं सोशल साइटों पर हंगामा हो रहा है आरोप-प्रत् यारोपण चल रहे हैं सर्वोच्च न यायालय में लड़ाई हारने के बाद अब चर्चा शुरू हो गयी क आखरि कर इस लड़ाई क औचित् य क् या था य तो गले में नमाज फंस जाने की क्हावत के तौर पर साबति हो रही है कईयों की फन्नी वाल पर तो गालियां चलनी शुरू हो गयी हैं, जनिमें योगी सरकार से लेकर अपने साथी लोगों पर हमला किया जा रह है आत् महत् या की चेतावनी के साथ ही तोड़फोड़ जैसे हसिक आंदोलन की भी धमकियां भी शामिल हैं कई लोगों ने तो इस कनूनी लड़ाई के खर्च क हसिाब मांगा जाना शुरू कर दिया है

क प्रतयोगी के अनुसार प्रतयोगी छात्रों पर तुषारापात आयोग के अध्यक्ष के तु लकी फरमान द्वारा किये जाने के पश्चात हताश छात्रों की रहनुमाई के नाम पर आगे आने वाले तथाकथित छात्रहति समर्थकरंगे सथिारों द्वारा ऐसा गंदा खेल खेला गया जो क निक्षि्टता की पराक्षठा है पहले तो प्रशासन से बात की जा रही है क प्रशासन सुन नहीं रह कहकर सरकार के वरिद्ध छात्रों में मन मे वदिवेष पैदा किया गया और उसके पश्चात कोर्ट के आखरिी मार्ग बात कर कोर्ट में ल ने हेतु मोती रक्म चंदे के रूप में वसूल की गई वो छात्र जो सब्जी भी सबसे सस्ती खरीद के खाते है अर्थाभाव में उन्होंने अपने कनि कनि आवश्यक्ताओं को न रअंदा करके चंदे क जुगा किया हो वो ईश्वर ही बता सकता है कोर्ट में लचर पैरवी के कारण पैसला छात्रों के वरिद्ध रहा जसिमे की चंदे की कतिनी रक्म खर्च हुई और कतिनी बची इसक हसिाब देने वाला कोई नहीं ये कसिके इशारे पर किया गया ये वचिरणीय वषिय है क््योंक इससे छात्र दगिभ्रमति होकर परीक्सा स्थगति करवाने क अन्य कोई मार्ग न अपना सके तथा उनक आक्शोश आयोग वरिधी के साथ साथ सरकार वरिधी भी हो गया ये बातें कसिी को तो फयदा पहुंचा रही होंगी

उधर प्रतभागियों के क गुट के नेता कौशल सहि ने स पष् ट किया है क आज हाईकोर्ट में इसी मामले पर क याचकि के लेकर वरषिठ अधविक्ताओ से वसित्त चर्चा हुई है, जसिमें सभी पहलुओं पर ध्यान भी दिया जा रहा है कौशन के अनुसार क्ल शुक्वार को हाईकोर्ट पर सुनवाई होगी उन् होंने अपील की है क शांति के साथ अध्ययन जारी रखी ! सत्यमेव जयते !

00000 000 00000 00000 00 000000 000000 00 0000 00 00000000 000000, 00 000000 00000000 000000 00  
0000000 00000000 :-

□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□

Written by कुमार सोवीर  
Thursday, 14 June 2018 16:19

---

□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□